मसूलीपट्टनम, एक प्राचीन बंदरगाह, पुनः जागृत होने के लिए तैयार

संदर्भ

• मसूलीपट्टनम, जो लंबे समय से एक बंद पड़े बंदरगाह शहर के रूप में जानी जाती थी, अब फिर से सक्रिय हो रही है और एक बार फिर से एक प्रमुख बंदरगाह बनने के लिए तैयार है।

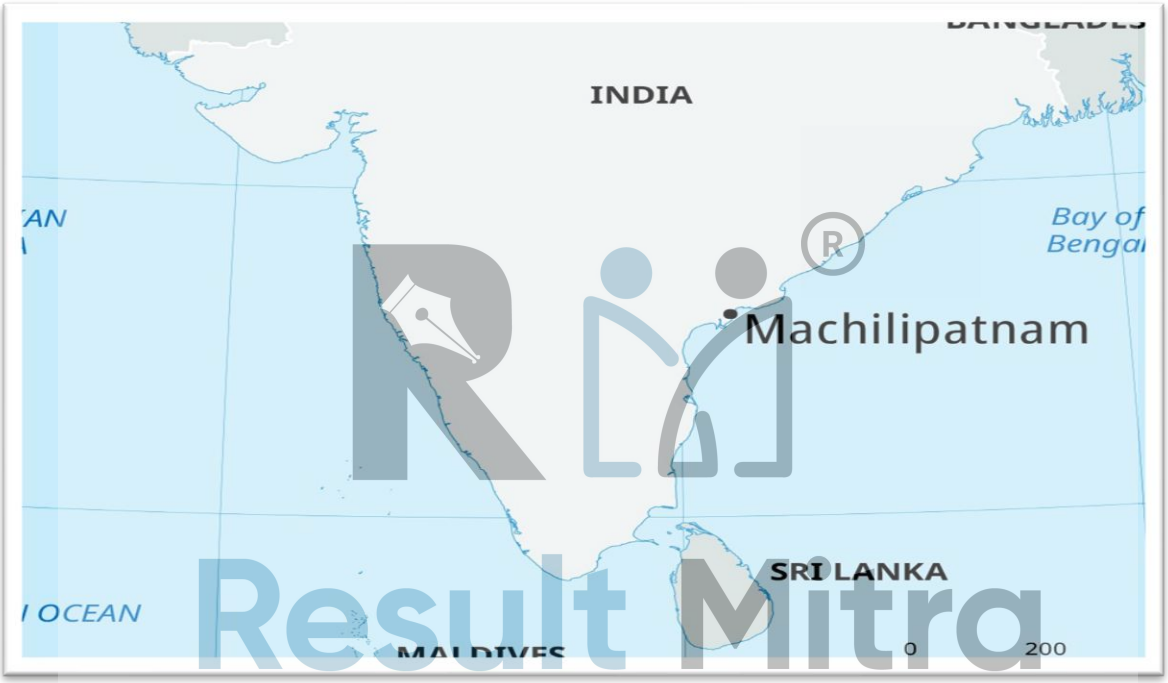

इसके बारे में

• यह शहर कृष्णा नदी के मुहाने पर स्थित है, जो बंगाल की खाड़ी में बहती है।

• मंगिनापुडी में मसूलीपट्टन के नए ग्रीनफील्ड पोर्ट के निर्माण का लगभग 48% कार्य पूरा हो चुका है, एवं 2026 के अंत तक संचालन शुरू होने की उम्मीद है।

• यह नया बंदरगाह एक इंजीनियरिंग चमत्कार के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि इसमें जहाजों के ठहरने के लिए 56 मिलियन घन मीटर बालू की खुदाई की गई है और 2.5 किलोमीटर लंबा ब्रेकवॉटर बनाने के लिए 2.1 मिलियन टन पत्थर का उपयोग किया गया है।

• 2020 में एक विशेष प्रयोजन वाहन (Special Purpose Vehicle) — मसूलीपट्टनम पोर्ट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड — को इस बंदरगाह को लैंडलॉर्ड मॉडल में विकसित करने के लिए गठित किया गया था।

लैंडलॉर्ड पोर्ट मॉडल:

- इस मॉडल में:
- बंदरगाह प्राधिकरण, जो सरकार द्वारा नियंत्रित होता है, नियामक और मालिक दोनों की भूमिका निभाता है, जबकि निजी कंपनियां बंदरगाह का संचालन, खासकर माल की हैंडलिंग, करती हैं।
- बंदरगाह प्राधिकरण बंदरगाह की आधारभूत संरचना का मालिक होता है, जबकि निजी कंपनियां माल की हैंडलिंग के लिए जरूरी सुपरस्ट्रक्चर और उपकरण का रख-रखाव और आपूर्ति करती हैं, यह सब लीज़ समझौते के तहत होता है।
- इसके बदले में, बंदरगाह प्राधिकरण को निजी ऑपरेटरों द्वारा कमाई गई आय का एक हिस्सा मिलता है।

Result Mitra